अध्याय 10

रैदास के पद

लेखक/कवि: संत रैदास

[काव्य खंड]

कक्षा	9
विषय	हिंदी
पुस्तक	NCERT 'गंगा'
पाठ का स्रोत	
आवश्यक अवधियाँ	3
प्रत्येक अवधि का समय	40 मिनट

◆ अवधारणाएँ (Concepts)

1. निर्गुण भक्ति — सच्चे समर्पण की पहचान

संत रैदास के पदों में निर्गुण भक्ति का स्वरूप प्रकट होता है, जिसके अनुसार बाहरी आडंबर, मूर्तिपूजा और कर्मकांड से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है मन की पवित्रता और ईश्वर के प्रति सच्चा समर्पण। विद्यार्थी भक्ति के आंतरिक स्वरूप को समझेंगे।

2. सामाजिक समानता और जातिभेद का विरोध

रैदास जी ने अपने पदों में स्पष्ट संदेश दिया है कि ईश्वर की दृष्टि में कोई ऊँचा या नीचा नहीं। उन्होंने जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता का खंडन किया। विद्यार्थी समानता और मानवता के मूल मूल्यों को पहचानेंगे।

3. काव्य तत्व: भक्ति रस, अलंकार एवं सरल पद-शैली

पदों में भक्ति रस प्रधान है। इनकी भाषा सरल, लयात्मक और हृदयस्पर्शी है। विद्यार्थी पदों में प्रयुक्त भाव, रस, अनुप्रास एवं पुनरुक्ति जैसे अलंकारों की पहचान कर सकेंगे।

◆ अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- पदों का भावार्थ अपने शब्दों में स्पष्ट एवं सरल रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।
- संत रैदास के विचारों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- काव्य तत्वों (रस, अलंकार) की पहचान एवं व्याख्या कर सकेंगे।
- पदों का शुद्ध उच्चारण एवं भावपूर्ण वाचन कर सकेंगे।

- भक्ति एवं समानता के मूल्यों को जीवन से जोड़ सकेंगे।
- पाठ आधारित प्रश्नों के तार्किक एवं संगठित उत्तर दे सकेंगे।

◆ शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies)

प्रवेश गतिविधि: शिक्षक प्रश्न पूछेगा— "क्या केवल पूजा-पाठ करना ही भक्ति है?" विद्यार्थी अपने विचार व्यक्त करेंगे।

आदर्श वाचन: शिक्षक पदों का शुद्ध उच्चारण एवं लय के साथ वाचन करेगा।

सामूहिक वाचन: विद्यार्थी समूह में पदों का वाचन करेंगे, जिससे लय और उच्चारण में सुधार होगा।

संगीतात्मक प्रस्तुति: पदों को भजन के रूप में गाया जाएगा, जिससे भाव और रुचि दोनों विकसित होंगे।

समूह चर्चा: विषय: "क्या आज के समाज में समानता का भाव पूरी तरह स्थापित हो पाया है?"

◆ अन्य विषयों के साथ समेकन (Integration)

- सामाजिक विज्ञान: भक्ति आंदोलन एवं सामाजिक सुधार
- संगीत: भजन गायन
- कला शिक्षा: संत रैदास का चित्र बनाना
- अंग्रेज़ी: भावार्थ का अनुवाद
- मूल्य शिक्षा: समानता, प्रेम और सहिष्णुता

◆ आकलन (Assessment)

- मौखिक आकलन: वाचन, भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर।
- लिखित आकलन: लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।
- भजन प्रस्तुति एवं चर्चा में सहभागिता।
- रचनात्मक लेखन: "सच्ची भक्ति क्या है?" विषय पर अनुच्छेद।
- कार्यपत्रक: शब्दार्थ, मिलान, रिक्त स्थान एवं व्याख्या।

◆ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- NCERT पाठ्यपुस्तक (गंगा)
- श्यामपट एवं मार्कर

- भजन के ऑडियो/वीडियो
- संत रैदास के चित्र
- कार्यपत्रक

◆ विस्तार गतिविधियाँ / जीवनोपयोगिता

- भजन सुनना और गाना।
- समानता और प्रेम का व्यवहार अपनाना।
- भक्ति पर आधारित लेखन करना।

◆ इक्कीसवीं सदी के कौशल / मूल्य शिक्षा

- संचार कौशल: अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना।
- रचनात्मकता: लेखन एवं प्रस्तुति।
- आलोचनात्मक चिंतन: भक्ति और आडंबर में अंतर।
- मूल्य शिक्षा: समानता, भक्ति, सहिष्णुता।

◆ पाठोपरांत चिंतन (Post Teaching Reflection)

- क्या विद्यार्थियों ने पदों के भाव को गहराई से समझा?
- क्या वे भक्ति और समानता के मूल्यों को जीवन से जोड़ पाए?

◆ उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

- कठिन शब्दों का पुनः अभ्यास।
- पदों का सरल भाषा में पुनः भावार्थ।
- अतिरिक्त वाचन अभ्यास।

◆ अवधि-वार शिक्षण योजना (Period-wise Planning)

- प्रथम अवधि: प्रवेश गतिविधि, पदों का वाचन, शब्दार्थ।
- द्वितीय अवधि: व्याख्या, भजन प्रस्तुति, चर्चा।
- तृतीय अवधि: पुनरावृत्ति, प्रश्नोत्तर, आकलन।